NBT PAGE 1

लखनऊ विश्वविद्यालय के वीसी

प्रो.आलोक कुमार राय को शुक्रवार को दोबारा एलयू वीसी बना

दिया गया है। वर्ष 1968 के बाद वह पहले ऐसे वीसी हैं. जिन्हें

कुमार राय

लगातार दो बार एलयू की जिम्मेदारी दी गई

है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रमुख

दिसंबर को पूरा हो रहा था। वह 31 दिसंबर

को दोबारा एलयू वीसी पद की जिम्मेदारी

संभालेंगे। उनका दूसरा कार्यकाल भी तीन

साल का होगा। एलयू के पीआरओ दुर्गेश

श्रीवास्तव का कहना है कि वर्ष 1968 के

बाद प्रो.आलोक कुमार राय एलयू के पहले ऐसे वीसी होंगे, जिन्हें

लगातार दो बार तीन-तीन वर्ष का कार्यभार दिया जाएगा। दोबारा

वीसी बनाए जाने की सूचना पर कई शिक्षक वीसी के घर बधाई

देने भी पहुंचे। वहीं एलयू वीसी का कहना है कि दोबारा कार्यभार

मिलने से उनकी जिम्मेदारी और बढ़ गई है। गौरतलब है कि प्रो.

राय के नेतृत्व में ही एलयू को नैक में ए++ ग्रेडिंग मिली थी।

प्रो. राय के कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियां

छात्र अनुपात को किया दुरुस्त किया।

लिव के 197 शिक्षकों को प्रमोशन मिला

माहौल बेहतर किया, जिससे इस बार

१५ देशों से ८२५ विदेशी छात्रों ने आवेदन

और मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में जिस लिंव के कलपति

विदेशी विद्यार्थियों के लिए पढाई का

155 शिक्षकों की नियवित करके शिक्षक । अग्री कालेजों के शिक्षकों को

पीएचडी करने की सुविधा दी।

विद्यार्थियों को प्लेसमेंट मिला।

• वीसी केयर फंड से 52

आर्थिक रूप से कमजोर

सचिव कल्पना अवस्थी के मुताबिक प्रो.

आलोक कुमार राय का कार्यकाल 30

प्रो.आलोक कुमार दोबारा बने

करूंगा। पिछले दो वर्षों में किए

गए कार्यों का और बेहतर लाभ हर

मिलेगा। राज्यपाल के मार्गदर्शन और मख्यमंत्री

द्वारा उच्च शिक्षा के लिए दिए गए बेहतर ईको

सेस्टम से प्रदेश में उच्च शिक्षा के लिए बेहतर

- प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लविवि

विवि को नैक में ए प्लस प्लस रेटिंग दिलाने का मिला तोहफा, बृहस्पतिवार को पूरा हुआ था तीन साल का कार्यकाल



लिए चयनित की गई हैं। इसमें नेहा मिश्रा

यहां से 2010-12 में एमएससी बायो

साथ ही उन्होंने प्रो. शीला मिश्रा के निर्देशन में हाल ही में अपनी पीएचडी थीसिस जमा की है। वहीं, मोना पाठक ने

रेसलिंग में मेडल लाकर

तखनऊ विश्वविद्यालय के एमए प्राचीन इतिहास विभाग के छात्र आरिज हुसैन

> आयोजित राष्ट्रीय सीनियर ग्रैपलिंग चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल

लाकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। राजधानी के

नागंज निवासी आब्दी के सिर से

बचपन में ही मां-पिता का साया

उठ गया। उनके चाचा ने उनकी

हचि थी। कोविड से पहले उन्होंने

नेयर लेवल चैंपियनशिप में सिल्वर

लेवल में मेडल लाने के बाद वर्ल्ड र्वेपियनशिप में मेडल लाने की तैयारी है।

मेडल हासिल किया था। अब सीनियर

आब्दी ने बताया कि वह 28 जनवरी से

वैंपियनशिप में विश्वविद्यालय की ओर से

मध्य प्रदेश में होने वाली इंटरनेशनल

ामिल होंगे और गोल्ड मेडल लाने के

परवरिश की और पढ़ा रहे हैं।

श्रुरुआत से ही उनकी इसमें

लविवि का किया

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. आलोक कुमार राय को दोबारा तीन साल के लिए कुलपति नियुक्त कर दिया गया है। प्रत्यायन परिषद (नैक) में ए प्लस

इसकी सूचना जारी की गई।

प्लस ग्रेडिंग मिलने पर प्रो. राय को उनका पहले तीन वर्ष का कार्यकाल नियुक्ति की प्रक्रिया भी चल रही थी यह तोहफा दिया गया है। क्योंकि, बृहस्पतिवार को पूरा हुआ था। इसके और बचे हुए अभ्यर्थियों के इंटरव्यू यह प्रदेश का एकमात्र विवि था, बाद से कई तरह की चर्चाएं चल रही भी किए गए। इसी दौरान थीं। इस बीच बृहस्पतिवार शाम को शुक्रवार शाम को प्रो. राय के दोबारा प्रमुख सचिव राज्यपाल कल्पना राजभवन ने विवि को सूचित किया कुलपित बनने का आदेश जारी कर



लखनऊ विश्वविद्यालय ने रचा इतिहास

साल पुराने लखनऊ विश्वविद्यालय ने साल 2022 में इतिहास रच दिया। पुरानी बिल्डिंग व नए संसाधनों, नई सोच के साथ कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय मुल्यांकन प्रत्यायन परिषद (नैक) में एप्लस प्लस ग्रेडिंग प्राप्त की। लखनऊ ही नहीं, प्रदेश के किसी भी राज्य या केंद्रीय विश्वविद्यालय के पास यह ग्रेडिंग नहीं है। इसका फायदा विद्यार्थियों को मिला और यहां प्लेसमेंट के लिए कंपनियों के न सिर्फ फेरे बढ़े, जॉब पाने वालों की संख्या भी बढ़ी बल्कि सर्वाधिक 23.61 लाख सालाना का पैकेज भी मिला। वहीं पूरे प्रदेश के विश्वविद्यालयों की रैंकिंग के लिए मेंटरिंग करने का केंद्र 'उपक्रम' भी यहां खुला। अब विश्वविद्यालय क्यूएस एशिया रैंकिंग में आने की तैयारी में जुट गया है। विश्वविद्यालय से संबद्ध 103 साल पुराने शिया पीजी कॉलेज ने भी नैक में ए ग्रेड हासिल कर अन्य कॉलेजों के लिए एक लकीर खींची है।

HINDUSTAN PAGE 6



प्रो . आलोक कुमार राय फिर बने लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति

वयएस यनिवर्सिटी रैंकिंग फार एशिया.

रैंकिंग(एशिया), नेचर इंडेक्स सहित

बीएचय के प्रोफेसर आलोक को कुलाधिपति ने उन्हें फिर से तीन नई कार्ययोजना जल्द : तीन साल तरह से तीन साल काम किया, उसी 🐞 1920 से 1926 : राय बहादूर जीएन

था। शुक्रवार को उनके कार्यकाल नई शिक्षा नीति को सबसे पहले लागू और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि विश्वविद्यालय को 🔍 1941-1947 : ले. कर्नल राजा

के तीन साल पूरे होने से पहले ही करने में प्रो. आलोक कुमार राय की से लेकर विश्वविद्यालय के सभी आगे बढ़ाने के लिए जल्द ही नई

टाइम्स हायर एजकेशन रैंकिंग

प्लस प्लस ग्रेड मिला

को लखनऊ विश्वविद्यालय के नियुक्त कर दिया। विश्वविद्यालय को बनने पर प्रोफेसर आलोक कुमार में जो भी अपेक्षाएं हैं, उन पर खरा

कुलपति पद पर कार्यभार संभाला नैक ए प्लस प्लस का ग्रेड दिलाने, राय ने कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल उतरने की कोशिश रहेगी। कुलपति

राजभवन से अग्निम आदेश या नई अहम भूमिका रही। इसी वजह से शिक्षकों, सहयोगियों का आभार कार्य योजनाएं बनेंगी।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 4

दोबारा कुलपति बने आलोक कुमार

विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया है. उन्हें दूसरी बार लखनऊ विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गयाँ है. उनकी नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तारींख से तीन वर्ष की अवधि के लिए की गई है. राज्यपाल की प्रमुख सचिव कल्पना अवस्थी ने यह जानकारी दी. प्रो. राय के निर्देशन में हाल ही में एलयू ने नैक मृत्यांकन में उच्चतम ग्रेड ए प्लस प्लस प्राप्त किया है. **JAGRAN CITY PAGE III**

i-NEXT PAGE 3

प्रो. आलोक राय दोबारा एलयू कुलपति नियुक्त

LUCKNOW: राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रो. आलोक राय को लखनऊ

जासं, तखनऊ : राजभवन ने लखनऊ

विश्वविद्यालय के कलपति प्रोफेसर

आलोक कुमार राय को फिर से तीन

साल के लिए कुलपति नियुक्त किया

कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल

की ओर से इस संबंध में आदेश

जारी कर दिया गया। लखनऊ

विश्वविद्यालय में इससे पहले भी

है। शुक्रवार को उनके कार्यकाल के

लखनऊ। लविवि में करीब 54 साल बाद किसी कुलपित को दूसरा कार्यकाल दिया गया है। विवि के जानकारों के

तक कुलपति रहे हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति रहे जीएम चक्रवर्ती 1920 से 1926 तक इस

पद पर रहे। हालांकि, उनकी नियुक्ति 1919 में ही हुई थी। उन्हें इसके बाद तीसरे कार्यकाल के लिए भी कहा गया,

लेकिन उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से इनकार कर दिया। इसी क्रम में प्रो. आरपी परांजपे यहां 1932 से 1938 तक

कुलपित रहे, जबकि लेफ्टिनेंट कर्नल विशेश्वर दयाल सेठ 1941 से 1947 तक और एवी राव 1961 से 1968

राय को दूसरा मौका दिया गया है। इस पर उन्हें खरा उतरना होगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

तक कुलपित रहे। एवी राव लिविव के ही अंग्रेजी विभाग के शिक्षक रहे हैं। अब 54 साल बाद प्रो. आलोक कुमार

अनुसार इससे पहले चार कुलपतियों को दूसरा मौका मिल चुका है, जबकि कुछ अन्य तीन साल से ज्यादा समय

लखनऊ विश्वविद्यालय

Iniversity of Lucknow

(Accredited A++ by NAAC)

गया है। उनकी

है। राज्यपाल की

प्रो. आलोक राय दोबारा लवि के कुलपति नियुक्त

राब्यू, तखनऊः राज्यपाल आनंदीबेन

पटेल ने प्रो. आलोक राय को

लखनऊ विश्वविद्यालय का कुलपति

नियुक्त किया है। उन्हें दूसरी बार

कल्पना अवस्थी ने यह जानकारी

दी। प्रो. राय के निर्देशन में लिव ने

नैक मुल्यांकन में उच्चतम ग्रेड ए

प्लस प्लस प्राप्त किया है।

प्रो. आलोक राय एक बार

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। इतिहासमें पहले लखनऊ विवि के मौजूदा कुलपति प्रो. आलोक राय को दोबारा लखनऊ विवि का कुलपित नियुक्त किया गया है। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने इस संबंध में शक्रवार को आदेश जारी कर दिया। प्रो. राय को तीन वर्ष के लिए नियुक्ति दी गई है। राय पहले ऐसे कुलपित हैं जिन्हें लगातार दो बार लखनऊ विवि का कलपति बनाया गया है।

एलयू ने 25 नवम्बर को ही अपना 102वां स्थापना दिवस मनाया था। इस 102 साल के सफर में शक्रवार को एक और इतिहास जुड गया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय 102 वर्ष के

को प्रो.आलोक राय आलोक कुमार

राय का पहला कार्यकाल खत्म होने वाला था। इसी दिन राजभवन से उनकी दोबारा नियुक्ति का आदेश जारी हो गया। दूसरी बार कुलपति नियुक्त होने पर प्रो. राय ने कहा कि एलय ने जो उपलब्धियां पाईं उनको बनाए रखने के साथ अन्य उपलब्धियों को पाना है।

एलयूः वैज्ञानिक सी पद पर पूर्व छात्राओं का चयन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग की दो पूर्व छात्राओं का चयन भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा वैज्ञानिक सी के प्रतिष्टित पद के लिए किया गया है। ये जैव सांख्यिकी और गैर चिकित्सा पद हैं। नेहा मिश्रा और मोना पाढक को यह सफलता मिली है। नेहा एमएससी बायोस्टैटिस्टिक्स की छात्रा हैं। उन्होंने प्रोफेसर शीला मिश्रा की देखरेख में अपनी पीएचडी थीसिस जमा की है।

PIONEER PAGE 3

एलयू के कुलपति बने रहेंगे

आईसीएमआर की तरफ से वैज्ञानिक सी पद

है, जिन्हें राजभवन की तरफ से दोबारा टर्म मिला है। प्रो राय की छात्रा रही हैं। जिन्होंने प्रोफेसर शीला मिश्रा ने दोनों छात्रों को बधाई दी है।

के लिए एलयू के पूर्व छात्रों का चयन की देखरेख में हाल ही मे अपनी

कमार राय को राज्यपाल श्रीमती आनंदीवेन पर्टेल ने दोवारा ऐतिहासिक नियक्ति देते हए दोवारा टर्म यानी 3 वर्ष के लिए कलपति नियक्त किया है। राष्ट्रीय सहारा ने 27 दिसँवर के अंक में पहले ही वता दिया था कि मौजदा कलपति प्रोफेसर आलोक कमार राय को दोवारा टर्म मिल सकता है।

लखनऊ (एसएनबो)। लखनऊ

विश्वविद्यालय को कछ माह पहले ही यजीसी की नैक ए प्लस प्लस रैकिंग

दिलाने वाले कलपति प्रोफेसर आलोक

3 वर्ष पहले 30 दिसंवर 2019 की शाम 9:00 वजे के करीव जव लखनऊ विश्वविद्यालय के कलपति के पद पर प्रोफेसर आलोक कमार राय ने नियक्ति पाई थी तब किसी ने सोचा नहीं था कि उनके कार्यकाल में लखनऊ

विश्वविद्यालय को ऐतिहासिक ऊंचाई मिलेगी । विश्वविद्यालय के इतिहास में इसके पहले आज तक किसी भी कलपति को दोवारा टर्म नहीं मिला ७ करीव 4 महीने पहले ही लखनऊ विश्वविद्यालय को नैक की ए प्लस प्लस ग्रेडिंग मिली थी. उसके कमार राय को दसरा टर्म भी मिलेगा, जो



लगी मुहर दोबारा टर्म पाने वाले पहले कुलपति बने आलोक

हुआ । सूत्र पहले भी इस वारे में जानकारी दे रहे थे कि आलोक कमार राय द्वारा किए गए 'मैनेजमेंट' से अन्य कलपतियों को प्रेरणा लेने की जरूरत है, शायद यही वजह रही होगी कि कलपति आलोक कमार राय की दावेदारी 15 अन्य प्रतिभागियों से कहीं ऊपर रही और उन्हें दोवारा मौका देने के लिए कॉर्यभार शनिवार दोपहर को ग्रहण करेंगे ।

अंततः शक्रवार की देर शाम सही सावित राज्यपाल ने अपनी महर लगाई। एक वरिष्ठ शिक्षक का कहना था कि आलोक कमार राय के मैनेजमेंट का विद्यार्थी होने का लाभ ना केवल लखनऊ विश्वविद्यालय को मिला वल्कि प्रोफेसर राय को भी इसका फायदा मिला । माना जा रहा है कि कलपति आलोक कमार राय अपना दोवारा कार्यकाल का

दिन भर रहा ऊहापोह शाम को आया आदेश

लखनऊ (एसएनबी)। नए कलपति को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षकों में पिछले 2 सप्ताह से विभिन्न नामों को लेकर चर्चा जारी थी । दरअसल जहां कई शिक्षकों के लिफाफे खलने को लेकर चिंता वनी हुई थी तो वहीं लूटा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी और उनकी पत्नी समेत कछ विभागों के शिक्षकों के भी लिफाफे खलाने हैं, इसके अलावा एंथ्रोपोलॉजी समेत 3 विभागों के असिस्टेंट प्रोफेसर के डायरेक्ट रिक्रूटमेंट के इंटरव्यू भी होने हैं. ऐसे में कलपति के कर्सी की ओर सभी शिक्षकों की निगाहें गडी हुई थी, विश्वविद्यालय का स्टाफ क्लव हो या विभागाध्यक्ष और डीन के कमरे, सभी जगहों पर पिछले कई दिनों से चाय की चस्की के बीच सिर्फ और सिर्फ कलपति की कर्सी को लेकर चर्चा होती थी। रोजाना ही एक नए नाम को लेकर वहस होती थी और मीडिया की खबरों पर चर्चा भी होती थी। वहरहाल शुक्रवार की देर शाम प्रोफेसर आलोक कमार राय के दोवारा कलपति वनाए

जाने को लेंकर आदेश आ गया।

लविवि की पूर्व छात्राओं का वैज्ञानिक पद पर चयन

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय

के सांख्यिकी विभाग के दो पूर्व छात्रों का चयन भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली (आईसीएमआर) द्वारा वैज्ञानिक सी (जैव सांख्यिकी व सांख्यिकी) (गैर चिकित्सा) के प्रतिष्ठित पद (एमएससी बायोस्टैटिस्टिक्स की है। 2009-11) जिन्होंने प्रो. शीला





के लिए किया गया है। नेहा मिश्रा ने यह शानदार उपलब्धि हासिल प्रो. आलोक कुमार राय और लखनऊ विश्वविद्यालय के इन टंडन ने दोनों छात्रों को बधाई दी है।

AMRIT VICHAR PAGE 4

अधिष्ठाता छात्रकल्याण प्रो. पूनम मिश्रा की देखरेख में हाल ही में पूर्व छात्रों ने प्रतिष्ठित पद पर चयन साथ शुभकामनाएं देते हुए समाज के अपनी पीएचडी थीसिस जमा की के लिए अभिभावकों सहित शिक्षकों लिए उत्कृष्ट कार्य करने तथा अन्य है, और मोना पाठक (एमएससी के प्रति आभार व्यक्त किया है। छात्र छात्राओं के लिए रोल मॉडल बायोस्टैटिस्टिक्स 2010-12) लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति बनने के लिए प्रोत्साहित किया है।

राय का बढ़ा कार्यकाल लखनऊ। राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने प्रो. आलोक राय को

एक बार फिर तीन साल के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया है। नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिए है। राज्यपाल की प्रमुख सचिव कल्पना अवस्थी ने बताया कि शुक्रवार को साक्षात्कार में आलोककुमार राय

को कुलपति नियुक्त किया गया है। बता दें की प्रो. आलोक राय को दूसरी बार लखनऊ विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त के पीछे उनके निर्देशन में अभी हाल ही में लखनऊ विश्वविद्यालय ने नैक मूल्यांकन में उच्चतम ग्रेड ए प्लस प्लस प्राप्त करना माना जा रहा है।

लविवि कुलपति प्रो. आलोक

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

वैज्ञानिक सी पद के लिए एलयू के पूर्व छात्रों का चयन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ एलयू के सांख्यिकी विभाग के दो पूर्व छात्रों का चयन भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा वैज्ञानिक सी, जैव सांख्यिकी व सांख्यिकी, गैर चिकित्सा के प्रतिष्ठित पद के लिए किया गया है। नेहा मिश्रा, बायोस्टैटिस्टिक्स एमएससी 2009-11, जिन्होंने प्रोफेसर शीला मिश्रा की देखरेख में हाल



जमा की है और मोना पाठक,



उपलब्धि हासिल की है। एलयू के इन पूर्व छात्रों ने प्रतिष्ठित

अभिभावकों सहित शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। एलयू कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पुनम टंडन ने दोनों छात्रों को बधाई दी और शुभकामनाएं देते हुए समाज के लिए उत्कृष्ट कार्य करने तथा अन्य छात्र- छात्राओ के लिए रोल मॉडल बनने हेत् प्रोत्साहित किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति का कार्यकाल बढ़ा

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने प्रो. आलोक राय को दोबारा लखनऊ विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया है। प्रो. आलोक राय की नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिए की गयी है। यह जानकारी श्क्रवार को राजभवन में प्रमुख सचिव राज्यपाल, कल्पना अवस्थी ने दी। प्रो. आलोक राय को दूसरी बार एलयू का कुलपति नियुक्त किया गया है। प्रो. राय के कार्यकाल और निर्देशन में अभी हाल ही में एलयू ने नैक मूल्यांकन में उच्चतम ग्रेड ए प्लस प्लस प्राप्त किया है। इसे विश्वविद्यालय के इतिहास में सबसे अहम उपलब्धियों में से एक माना जा रहा है।

इस बीच सूत्रों के अनुसार, गुरुवार को कलाधिपति और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा एलयू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय का

कार्यकाल एक बार फिर से बढ़ाने खबर सुनाई पड़ी। वही राजभवन में अगली नियुक्ति तक एलयू के आलोक कुमार राय को पुनः कुलपति बने रहने का शुक्रवार को जारी हुआ।इसके अलावा भी कई अहम शुरुआत कुलपति ने अपने कार्यकाल के दौरान की हैं। जिनमें शिक्षकों के प्रमोशन से लेकर जरूरतमंद छात्रों के लिए वीसी केयर फंड की शुरुआत करना भी शामिल है, साथ ही यूनिवर्सिटी में विदेशी छात्रों की संख्या में भी तेजी से इजाफा हुआ हैं।

KANWHIZZ TIMES PAGE 2

लखनऊ विवि के कुलपति आलोक राय को मिला एक और कार्यकाल



लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति आलोक कुमार राय को एक करने का आदेश जारी किया है। बार फिर तीन साल के लिए कुलपति पद पर नियुक्त कर दिया गया है। उत्तर वर्ष के लिए राय को कुलपति नियुक्त प्रदेश की राज्यपाल व कुलाधिपति

आनंदी बेन पटेल ने शुक्रवार को आलोक कुमार राय को लखनऊ विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

तीन साल के लिए दोबारा लिविवि कुलपति बने प्रो. आलोक राय

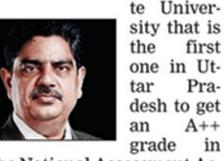
'LU has set a high bar, it will be raised higher'

TOI PAGE 3

Elated Over Re-appointment, Ready For Challenge: Prof Rai

Mohita.Tewari@timesgroup.com

Lucknow: Almost after six decades, Raj Bhawan has given a second term to any Lucknow University vicechancellor. Apart from being re-appointed, Prof AK Rai also holds the unique achievement of celebrating LU's 100-year celebration and being a vice-chancellor of a sta-



the National Assessment Accreditation Council. Talking to **Mohita Tewari**, Prof AK Rai said that while it is a pleasure to be re-appointed, at the same time it's a great challenge and responsibility.

re-appointment?

higher.

SECOND INNINGS

Those who served as Lucknow University

Prof Rai Bahadur GN Chakravarty (1920-26) Prof GN Chakravarty was appointed as the first vice chancellor of Lucknow University on December 16, month. Before joining LU, he served as the registrar of Allahabad University. He was also offered third term but he

छात्रकल्याण प्रोफेसर पुनम टंडन

Prof RP Paranjpye (1932-38) Fourth vice-chancellor of LU, Prof RP Paranjapye was the title of Senior Wrangler at the University of Cambridge. Before joining LU, he taught

What was the feeling when you got the letter of your I am humbled and elated

to be re-appointed but at the same time I see it as a 'great challenge'. I see this as a greater responsibility as already University has set a high bar and now it needs to be raised

vice-chancellor for six-year term mathematics at Fergusson

1920, on a salary of Rs 3,000 per declined citing health issues

first Indian to win the coveted

ney as LU VC and for get-

honourable Governor Anan-

I extend my gratitude to

ting another three years?

Dr A Vitthal Rao (1961-68) He was the first LU VC to serve two terms in post-Independence era. He was the head of LU's English dept and was dean of art faculty at LU before joining as VC

Adityanath for creating a po-

sitive ecosystem for higher

education institutions and

all stakeholders, including

LT Col Raja Visheshwar

Seventh vice-chancellor of LU,

Lt Col Raja Visheshwar Dayal

Seth was a science graduate

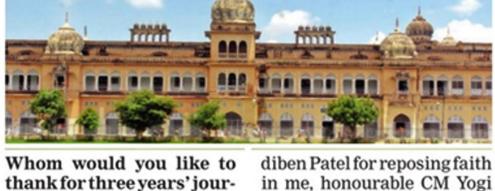
section in Tagore library was

who was known for his love

for reading books. Later, a

named after him

Dayal Seth (1941-47)



LU teaching and non-teaching employees and government officials who have been always supportive.

How do you look back at yourjourney as LUVC and the milestones achieved?

When many leading institutions in the country are still struggling to even comprehend it, forget about its implementation, LU and its affiliated colleges have been a pioneer in the implementation of the New Education Policy. It is something to be happy about.

Secondly, the finances of LU were in very bad shape. We have somehow handled those financial challenges. Also, the physical infrastructure of the University has been refurbished. Also, our centennial celebration in those difficult Covid-19 days was talked about by the entire country.

What are your plans for the University?

We have improved campus placements by leaps and bounds, and will be strengthening it further. Also, consolidation of national and international rankings, strengthening of entrepreneurial culture and offering full-time online courses is our priority.

15 had applied for VC's post

▶ Continued from P 1

rof Raijoined as LUVC on December 30, 2019. His three-year tenure ended Friday and all eyes were on Raj Bhawan for the last few days for the appointment of the

Governor Anandiben Patel, who is also the chancellor of the state universities, gave final assent on the name of the VC out of the names recommended by the search committee. Around 15 academicians who had applied for the VC's post were screened by the search committee. Thereafter, three academicians, including Prof Rai and one from Gorakhpur and Gujarat each, were inter-

Sources at Raj Bhawan told TOI that the selection process got delayed as the vicechancellor of Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur, Professor Vinay Pathak, who is allegedly facing corruption charges, was one of three members of the search committee.

Recently, Raj Bhawan removed Prof Pathak from the search committee and brought academician Anand K Tyagi in his

The LU's executive council had sent the name of the vice-chancellor of Gujarat Central University, Prof Rama Shanker Dubey, as the second member while the third member is a judge from the high court. Raj Bhawan had advertised for the post on October 11 this year.

🛡 लविवि के इतिहास में प्रो. आलोक रायने रचाइतिहास • राजभवन सेजारी हुआआदेश, दोबारा मिली लविवि की जिम्मेदारी वरिष्ठ संवाददाता (VOI)

लखनऊ।लखनऊ विश्वविद्यालय

के कलपति प्रो. आलोक कमार राय को कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ विश्वविद्यालय का कुलपति दोबारा नियुक्त किया है।प्रो. आलोक कुमार राय लखनऊ विश्वविद्यालय के इतिहास के पहले कुलपति होंगे, जिन्हें दूसरी बार मिला है। इससे पहले विश्वविद्यालय में किसी भी कलपति को दोबारा कलपति बनने का मौका नहीं मिल पाया है। बता दें

Prof Rai gets

2nd term as LU

VC, 1st in 54 yrs

Prof Alok Kumar Rai as the new VC of the

varsity on Friday. Prof Rai became the sec-

ry by becoming a VC of the first state univer-

sity that has an A++ grade in the National As-

sessment Accreditation Council (NAAC). He

will also be remembered for heading the uni-

versity in its centennial year and for conduct-

ing the 100-year celebrations. The decision

brought a wave of happiness to the LU cam-

pus for teachers and students who were antic-

ipating that Prof Rai will get a second term.

▶15 academicians, P 4

row. Apart from this, Prof Rai

has also added his name to histo-

हो रहा था। राजभवन ने कार्यकाल के ऑतम दिन प्रो. राय को विश्वविद्यालय का अगला कुलपति नियुक्त किया है।इस संबंध में शुक्रवार को कुलाधिपति की ओर से आदेश जारी कर दिया गया। लविवि को दिलाया नैक में ए प्लस प्लस ग्रेड: प्रो. आलोक कुमार राय पहले कार्यकाल में लखनऊ

कि प्रो. राय का तीन वर्ष का पहला

कार्यकाल 30 दिसंबर 2022 को समाप्त

विश्वविद्यालय ने जहां शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर प्रदेश सहित देश में अपनी ख्याति आगे बढ़ा रहा है। साल 2022 के मध्य में प्रो. राय की निगरानी में लखनऊ विश्वविद्यालय नैक मुल्यांकन में प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय बना जिसे ए प्लस प्लस ग्रेड हासिल हुआ है। इसके अलावा लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रो.



Prof Rai gets 2nd term as LU vice-chancellor



HT Correspondent .UCKNOW: Prof Alok Kumar Rai was given a second term of three will be working for six years in a vears as Lucknow University erm ended on Friday, Chancelnor Anandiben Patel issued an Rai became the second vicechancellor of the century-old

"NAAC grading is one aspect nent was that LU became the National Education Policy-2020 aides of the V-C said that Rai led

copy of the order issued by Rai eld the position from 1961 to Bhawan at 7.17pm, congratul Principal secretary to the gov- in. In three years, Rai introduc press release informed that the students wherein they did

his year, LU was the first univer

sity in UP to get the top rating

2020 को प्रदेश में सबसे पहले अपने यहां पर लागू किया।जहां प्रदेश के दूसरे विश्वविद्यालयों में नयी शिक्षा नीति सत्र 2022-23 से लागु हो रही है। वहीं, लखनऊ विश्वविद्यालय में नयी शिक्षा नीति का एक वर्ष पूर्ण हो चुका है।

देश-विदेश की कई रैंकिंग संस्थाओं में विश्वविद्यालय का नाम

विश्वविद्यालयका कुलपति बनने के बाद ही प्रो. आलोक कुमार राय ने लखनऊ विश्वविद्यालय के सिस्टम में आमूलचूल परिवर्तन करना शुरू कर दिया था ताकि विश्वविद्यालय को देश ही नहीं बल्कि विदेश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के टक्कर में लाकर खडा किया जा सके। इसके लिए उन्होंने विश्वविद्यालय के रिसर्च एकेडमिक सिस्टम के साथ ही छात्रों के लिए एक बेहतर माहौल तैयार सस्टेनेबिलिटी वर्ल्ड रैंकिंग 2023 में जगह दिलाने में कामयाब रहे। इसके अलावा ही विश्वविद्यालय को कई और दसरी नेशनल और इंटरनेशनल रैंकिंग में भी जगह दिलाने में वह कामयाबरहे।

HT PAGE 3



ond term. Earlier, Dr Vitthal Rao

econd term for his leadership earned some money.